8 भरत मिलाप

R5R8K9

माता-पिता की आज्ञा का पालन करने हेतु राम वन में गए। उनके साथ सीता भी गईं। भरत को इस बात का पता चलने पर वे अयोध्या के सिंहासन पर नहीं बैठे, अपितु सिंहासन पर राम की खड़ाऊँ रखकर उन्होंने सेवक की भाँति राजकाज किया। इसलिए कहा है - भाई हो तो भरत जैसा।

(वन का एक भाग। कुटिया के बाहर राम और सीता बैठे हुए हैं। पास ही धनुष-बाण लिए लक्ष्मण खड़े हैं।)

दृश्य 1

राम : भाई लक्ष्मण, जरा देखो तो यह आवाज़ कहाँ से आ रही है?

लक्ष्मण : (इधर-उधर देखकर) प्रभु, सामने से कुछ लोग आते दिखाई दे रहे हैं।

राम : कौन लोग हैं? जरा ध्यान से देखो।

लक्ष्मण : (ध्यान से देखकर) अरे, यह तो भरत है। साथ ही बहुत से लोग हैं। हमें सावधान हो जाना चाहिए। शायद वे लोग लड़ने के लिए आ रहे हैं।

राम : (हँसते हुए) भाई लक्ष्मण, तुम तो बिना बात शक करने लगते हो। इतने वर्ष साथ रहकर भी भरत को नहीं पहचाना?

लक्ष्मण : (उत्तेजित होकर) पहचाना क्यों नहीं, उसी माँ का तो बेटा है, जिसने वनवास दिलाया।

सीता : इसमें बेचारे भरत का क्या दोष?

लक्ष्मण : लीजिए, सब लोग इधर ही आ रहे हैं!

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दृश्य 2

(भरत दौड़ते हुए कुटिया के निकट आते हैं। उनकी आँखों से आँसू बह रहे हैं। वे राम के चरणों में पड़ते हैं। राम भरत को उठाकर गले लगा लेते हैं।)

भरत : (रोते हुए) मुझे क्षमा कीजिए प्रभु ! आपको वनवास दिलाने में मेरा कोई हाथ नहीं। आप मुझसे बड़े हैं। आप ही को राजा बनना चाहिए। मैं आपको लेने आया हूँ। आप सब अयोध्या चलिए। इन नगरवासियों की भी यही इच्छा है। निराश न कीजिए, प्रभु !

राम : भाई भरत, मैं तुम्हारा प्रेम देखकर प्रसन्न हूँ । किन्तु मैं माता-पिता की आज्ञा का पालन करने हेतु वन में आया हूँ। वनवास पूरा करके ही लौटूँगा।

एक नागरिक: नहीं, प्रभु, आपको हमारे साथ चलना ही होगा। आपके बिना प्रजा दु:खी है। प्रजा को सुखी रखना राजा का कर्तव्य है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

राम : नगरजनो, इस समय माता-पिता की आज्ञा का पालन करना मेरा सबसे बड़ा कर्तव्य है। भरत मेरा भाई है। जब तक मैं वनवास पूरा करके न लौटूँ तब तक भाई भरत आप सबके सुख-दु:ख का ध्यान रखेगा। आप उसे राजा मानें, यह मेरा आदेश है।

भरत : (कुछ सोचकर) अच्छा, प्रभु, जैसी आपकी आज्ञा, पर मेरी एक विनती है, उसे स्वीकार करें।

राम : बोलो, क्या चाहते हो?

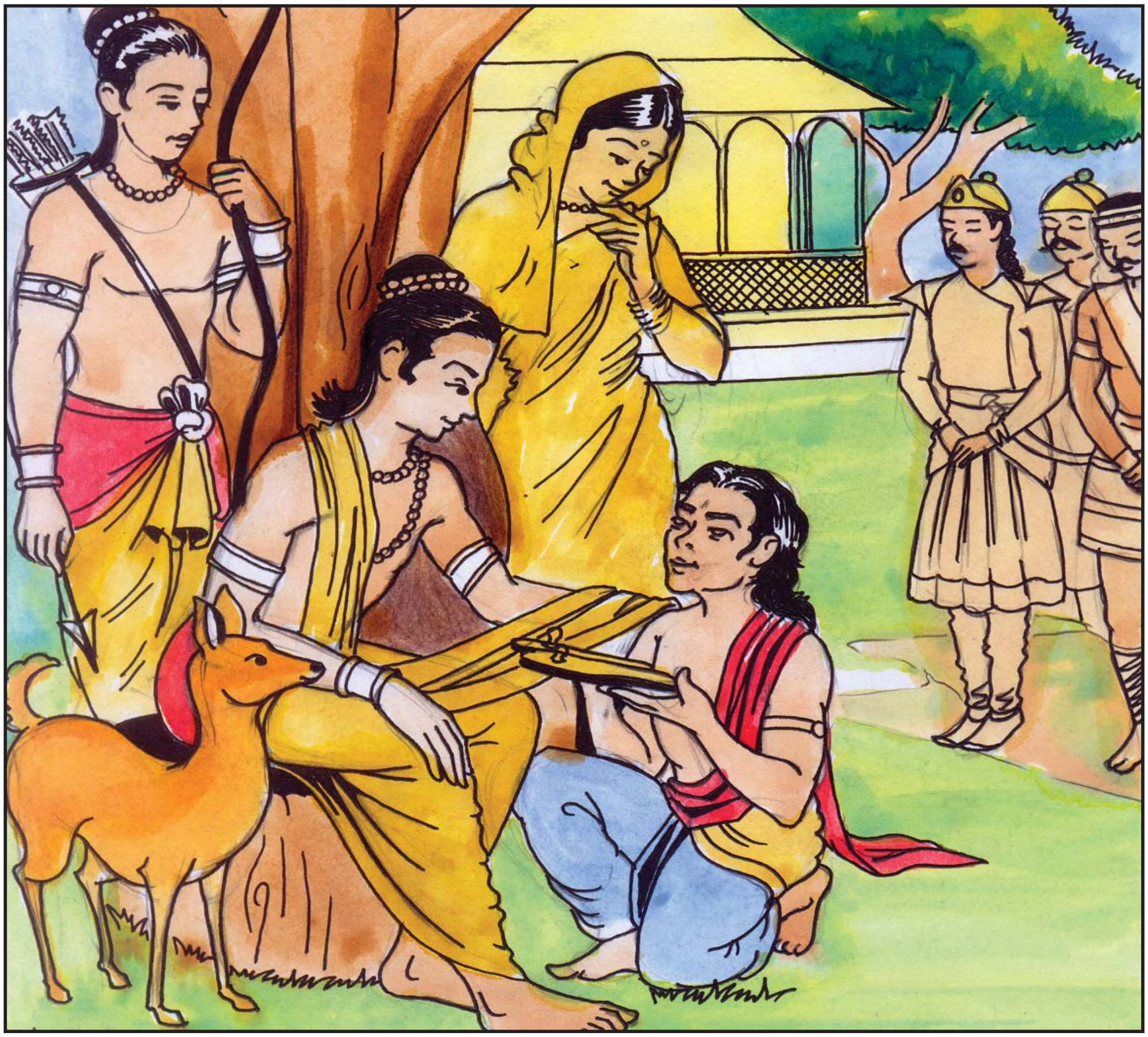

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भरत : मुझे आप अपने पाँव की खड़ाऊँ दे दें।

राम : खड़ाऊँ ! खड़ाऊँ का क्या करोगे?

भरत : इन्हें सिंहासन पर रखकर, आपके लौटने तक सेवक की तरह राज–काज करूँगा।

(भरत का प्रेम देखकर राम, सीता और लक्ष्मण गद्‌गद हो जाते हैं। रामचंद्र आगे बढ़कर भरत को गले लगाते हैं। खड़ाऊँ लेकर भरत तथा नगरजन राम और भरत की जय बोलते हुए विदा होते हैं।)

शब्दार्थ

कुटिया झोंपड़ी **शायद** कदाचित **शक** शंका **निकट** नजदीक **चरण** पैर **दोष** अपराध **कर्तव्य** फर्ज **आदेश** हुक्म, आज्ञा **खड़ाऊँ** लकड़ी की बनी पादुका

मुहावरे

उत्तेजित होना गुस्सा होना **गले लगाना** प्यार से मिलना **गद्‌गद होना** पुलकित होना, आनंदित होना

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) भरत को आते हुए देखकर लक्ष्मण को क्या शंका हुई?

(2) राम को देखकर भरत ने क्या किया?

(3) राम अपना वनवास क्यों पूरा करना चाहते हैं?

(4) राम ने नगरजनों से क्या कहा?

(5) भरत की जगह आप होते तो क्या करते?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. कोई रेपर यहाँ चिपकाइए और दिए गए रेपर को देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) यह किसका रेपर है ?

(2) इस रेपर पर क्या कीमत छपी हुई है ?

(3) इसका पैकिंग कब हुआ है ?

(4) इसका उपयोग कब तक कर लेना चाहिए?

(5) इसके अलावा रेपर में और कौन-सी उपयोगी बातें छपी हैं ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. नीचे दिए गए कोष्ठक में से सही संकेत चुनकर लिखिए :

(रेलवे क्रॉसिंग अरक्षित, हॉस्पिटल, पैदलयात्री क्रॉसिंग, साइकिल क्रॉसिंग)

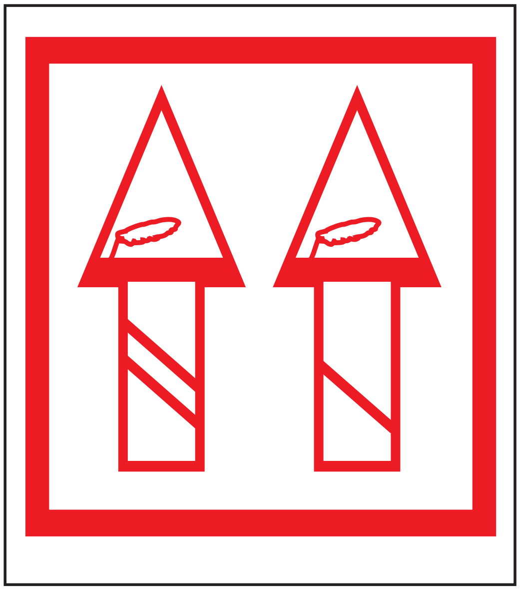

4. ऊँची आवाज़ में पढ़िए और लिखिए :

लक्ष्मण, उपेक्षित, क्षमा, अयोध्या, इच्छा, प्रजा, कर्तव्य, ध्यान, प्रभु, इन्हें

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

स्वाध्याय

B3G3H8

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) राम, सीता और लक्ष्मण कहाँ गए?

(2) राम ने नगरजनों को क्या समझाया?

(3) राम ने भरत को क्या दिया?

(4) भरत ने खड़ाऊँ लेकर क्या करने का सोचा?

(5) आप अपने भाई के साथ कैसा बरताव करते हैं?

2. नीचे दिए गए वाक्यों में 'में' या 'मैं' लगाकर वाक्य पूरा कीजिए :

(1) रोटी को देख बिल्ली के मुँह ________ पानी आ गया।

(2) ________ तुझे रोटी न ले जाने दूँगी।

(3) ________ कहती हूँ कि यह रोटी मेरी है।

(4) दोनों बिल्लयों ________ झगड़ा हो गया।

(5) रोटी लेने पहले ________ झपटी थी।

3. जल, थल और पेड़ों पर रहनेवाले पशु-पक्षियों के नाम अलग-अलग लिखिए :

जल में रहनेवाले	थल पर रहनेवाले	पेड़ों पर रहनेवाले

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भाषा-सज्जता

अभ्यास : 1

(1) अपना नाम लिखिए : ____________

(2) अपने गाँव / शहर का नाम लिखिए : ____________

(3) अपने दोस्तों के नाम लिखिए :

____________, ____________, ____________

(4) किन्हीं चार नदियों के नाम लिखिए :

____________, ____________, ____________

(5) किन्हीं तीन पर्वतों के नाम लिखिए :

____________, ____________, ____________

आपने जो उपर्युक्त नाम लिखे हैं, उसे संज्ञा (Noun) कहते हैं। किसी भी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

◯ सोचो और लिखो, आपके आसपास और क्या-क्या चीजें हैं ? जो 'संज्ञा' हैं।

अभ्यास : 2

1. उचित जोड़े बनाइए :

	अ		ब
(1)	महेश	-	पुस्तक
(2)	हिमालय	-	लड़का
(3)	गंगा	-	पर्वत
(4)	रामायण	-	देश
(5)	भारत	-	नदी

विभाग 'अ' में निर्देशित शब्द - महेश, हिमालय, गंगा, रामायण और भारत नाम निर्देश करते हैं। तथा 'ब' विभागवाले शब्द उनकी जाति का निर्देश करते हैं। अत: ये सभी शब्द 'संज्ञा' हैं।

योग्यता-विस्तार

- छात्रों को रामायण के अन्य प्रसंग सुनाइए।
- रामायण के पात्रों की सूची बनाइए।
- रामायण के कौन-से पात्र आपको पसंद आए और कौन से नहीं चर्चा कीजिए।

✷

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in